Twitter Thread by Vedic Gyaan

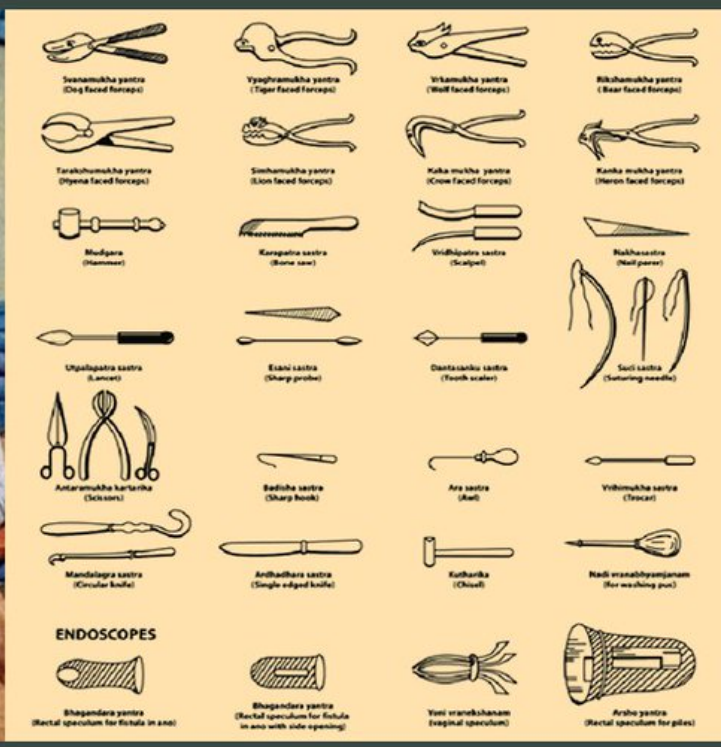


Vedic Gyaan
@vedicgyaanindia

Rishi Sushruta was a physician in ancient Bharat known today as the "Father of Indian Medicine" and "Father of Surgery" for inventing and developing surgical procedures. His work on the subject, the Sushruta Samhita is considered the oldest text in the world on plastic surgery

सुश्रुत संहिताः सबसे पुरानी चिकित्सा और शल्य चिकित्सा विश्वकोश





ऋषि सुश्रुत प्राचीन भारत में एक चिकित्सक थे जिन्हें आज भारतीय चिकित्सा के पिता और सर्जरी के पिता के रूप में जाना जाता है, उन्होंने शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का आविष्कार और विकास किया हैं। इस विषय पर उनके काम, सुश्रुत संहिता, सुश्रुत का संग्रह, को प्लास्टिक सर्जरी पर दुनिया का सबसे पुराना पाठ माना जाता है और इसे आयुर्वेदिक चिकित्सा की महान त्रयी में से एक माना जाता है, अन्य दो हैं चरक संहिताए जो इससे पहले थी, और अष्टांग हृदय, जो इसके बाद आई। सुश्रुत संहिता, सुश्रुत की कृतियाँद्ध चिकित्सा पर सबसे महत्वपूर्ण जीवित प्राचीन ग्रंथों में से एक है और इसे चिकित्सा का एक मूलभूत पाठ माना जाता है। ग्रंथ सामान्य चिकित्सा के सभी पहलुओं को संबोधित करता है। सुश्रुत संहिता में कई शल्य चिकित्सा उपकरणों का उल्लेख है जो आज सर्जरी करने के लिए उपयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों से निकटता से संबंधित हैं। सुश्रुत संहिता की प्रभावशाली प्रकृति न केवल संरचनात्मक ज्ञान और इसके पृष्ठों में निहित शल्य प्रक्रियात्मक विवरण द्वारा समर्थित है, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोणों द्वारा भी समर्थित है जो आज भी सच हैं।

vedicgyaanindia/

and is highly regarded as one of the Great Trilogy of Ayurvedic Medicine; the other two being the Charaka Samhita, which preceded it, and the Astanga Hridaya, which followed it. The Sushruta Samhita (works of Sushruta) is one of the most important surviving ancient treatises on

medicine and is considered a foundational text of Medicine. The treatise addresses all aspects of general medicine. The Sushruta Samhita mentions several surgical instruments that closely relate to the modern instruments used today to perform

surgeries. The influential nature of

the Sushruta Samhita is supported not only by anatomical knowledge and surgical procedural descriptions contained within its pages but also by the creative approaches that still hold true today.